Grants (2005-06)" relating to Ministry of Food Processing Industries; and

(5) Seventeenth Report on "Food Safety and Standards Bill, 2005" of the Committee (Fourteenth Lok Sabha) (2005-06) relating to the Ministry of Food Processing Industries.

REPORTS OF THE DEPARTMENT RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

DR. NARAYAN SINGH MANAKLAO (Nominated): Sir, I beg to lay on the table a copy each (in English and Hindi) of the following Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Social Justice and Empowerment:—

(i) Twelfth Report on Action taken by the Government on the Recommendations/Observations contained in the Seventh Report of the Committee (Fourteenth Lok Sabha) on "Demands for Grants-(2005-06)" of the Ministry of Social Justice and Empowerment;

(ii) Thirteenth Report on Action taken by the Government on the Recommendations/Observations contained in the Eighth Report of the Committee (Fourteenth Lok Sabha) on "Demands for Grants-(2005-06)" of the Ministry of Tribal Affairs; and

(iii) Fourteenth Report on "The Constitution (One Hundred and Third Amendment) Bill, 2004" and "The National Commission for Minorities (Repeal) Bill, 2004".

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Concern Regarding Closing/Slowing Down of Development Programmes in Hazaribagh and Arrest of Shri Yashwant Sinha:

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): सभापति जी, वित्त मंत्री जी यहां बैठे हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप वित्त मंत्री जी से बात कर लीजिए...(व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, कल पूरा सदन ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माफ करिए माननीय सदस्य, सदन में...(**व्यवधान**)...अब हो गई बात। मैं आपको इतना विश्वास दिलाता हूं ...(**व्यवधान**)...मेरी बात तो सुन लीजिए।...(**व्यवधान**)...मेरी भी नहीं सुनेंगे...(**व्यवधान**)...मैं जो कह रहा हूं उसको सुनिए पहले...(**व्यवधान**)...मैं जो कह रहा हूं पहले उसको सुन लीजिए।

मैं आपको और माननीय दोनों सदस्यों को निवेदन करना चाहता हूं कि आप फाइनेंस मिनिस्टर से मिल लें, फिर बाद में, नहीं हो तो, यहां पर उठाएं।...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: सभापति जी, कल सदन में उठाया गया था। हम इतना ही जानना चाहते हैं कि स्थिति बिगड़े इससे पहले वित्त मंत्री जी कोई कदम उठाएं...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ठीक है...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: वहां पर तरह-तरह की बातें हो रही हैं...(**व्यवधान**)...हम इतना ही कहना चाहते हैं।...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): चालू सत्र में अलग मिलने की क्या जरूरत है।... (**व्यवधान**)...मामला सदन में उठा है तो सदन में ही जवाब देना चाहिए।...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, he is here.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, I will be very happy to invite two or more or any number of hon. Members to come and have a cup of tea.

MR. CHAIRMAN: But you have to satisfy them.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, in the meanwhile, let me tell you, I did receive a letter from...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Don't disturb. ...*(Interruptions)*... Please take your seat. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA (Jharkhand): I have read the letter.

MR. CHAIRMAN: Do you want a solution to this problem? ...*(Interruptions)*... If you don't want, then I won't allow you. ...*(Interruptions)*...

SHRI P. CHIDAMBARAM: I thought, when Mr. Ahluwalia spoke to me just before the Question Hour, he was quite peaceful and I thank him for being peaceful. I did receive a letter from Mr. Sinha and I did convey

to him the facts. He has written another letter to me and I am looking into that letter.

MR. CHAIRMAN: Motion of Thanks on the President's Address. ...*(Interruptions)*...

मैं आपको कह रहा हूं कि जवाब मिलेगा। ...(व्यवधान)...जवाब मिलेगा आपको। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: जवाब क्या मिलेगा। सर, इस स्टेट का सीधा सा मसला है ...(व्यवधान)... सी॰बी॰डी॰टी॰ ने पहले भी कहा था, सी॰बी॰डी॰टी॰ से ट्रेनिंग सेंटर के लिए पूछेंगे तो वे कहेंगे मुम्बई में खोला जाए, कलकत्ता में खोला जाए, दिल्ली में खोला जाए, चंडीगढ़ में खोला जाए। हजारीबाग में अगर नहीं खोला गया और उसको यह कह कर नकार देना कि वह पिछड़ा स्टेट है या पिछड़ी जगह है, वहां सुविधा भी प्राप्त नहीं है तो उस राज्य के उस इलाके का विकास कैसे होगा। आज कालाहांडी और बोलांगीर को लेकर वर्ल्ड बैंक तक चिंतित है और उस पर एक प्रोग्राम लेकर चलता है कि.. ..किस तरह से विकास लाया जाये कि आतंकवाद को रोका जाये। अब हजारीबाग को इस तरह से कहकर नकारा जायेगा, तो कैसे बर्दाश्त होगा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : ठीक है आपने कह दिया। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: उसको मंत्री ने एप्रूव्ड किया हो, तो उसको रिजेक्ट करने का अधिकार सिर्फ मंत्री को है न कि सीबीडीटी के चेयरमैन को। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : ठीक है आपने कह दिया। ...(व्यवधान)... अब आपने कह दिया, अब तो आप संतोष करिये। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : मुझे इस तरह से महसूस हो रहा है, मैंने कल भी कहा था सदन में कि कोयला वहां से जाता है, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : वह सब ठीक है। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : आयरन ओर वहां से जाता है।...(व्यवधान)...

श्री सभापति : यह सब आपने कह दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : वहां से आर्थिक नाकेबंदी की कॉल हुई है, सब पॉलिटिकल पार्टियों ने ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : प्लीज टेक योर सीट। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : और अगर वहां पर आर्थिक नाकेबंदी होगी, तो वित्त मंत्री जी जिम्मेदार होंगे।

श्री सभापति : दो मिनट आप बोल लीजिए।

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति जी, मैं इतना ही कहना चाहूंगा, माननीय वित्त मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं और अभी उन्होंने कहा कि देश के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए वे कटिबद्ध हैं, एक सेंटर खोला गया है, पिछले तीन-चार वर्षों से चल रहा है और उस सेंटर को बंद करके, उस इलाके का नहीं, पूरे झारखंड का आप अपमान करने का प्रयास कर रहे हैं। पहले भी, जब इस तरह के सेंटर खोले गये थे, तो वे पिछड़े इलाकों में खोले गये थे - मसूरी में खोला गया था, माउंटआबू में खोला गया था, जो पिछड़े इलाके थे ताकि पिछड़े इलाके के लोगों को लगे कि हमारा इसमें सम्मान है और हम इसमें शामिल हैं। आपके विभाग ने जो काम किया है और मुझे दुख है कि उस पर वित्त मंत्री जी के दस्तखत नहीं हुए हैं, जब यशवंत सिन्हा जी ने वह सेंटर खोला था, तो वह उनके दस्तखत से खोला गया था, तब भी सी॰बी॰डी॰टी॰ उसका विरोध कर रहा था, तब भी उसने कहा था कि यह नहीं खुल सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि यह पिछड़ा हुआ इलाका है, हम यहां खोलेंगे और आप वित्त मंत्री बने हैं तो आप कह रहे हैं कि पिछड़े हुए इलाके में नहीं खोलने देंगे। सभापति महोदय, मैं आपसे इतना ही चाहूंगा कि आप वित्त मंत्री जी को निर्देश दें कि जब तक कोई आगे की कार्यवाही नहीं हो, तब तक वह सेंटर वहां चलता रहे। हम इतना ही आपसे चाहते हैं।

श्री सभापति : आप मुझे बता दीजिए कि वह कौन-से नियम हैं, जिनके माध्यम से मैं निर्देशित कर सकता हूं।

श्री दिग्विजय सिंह : सभापति महोदय, आप सब कुछ हैं, सदन के मालिक हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : सर, सदन कर सकता है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... मैंने इसीलिए ... (**व्यवधान**)... आप मेरी बात सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री रूद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): सर, सदन के माध्यम से निर्देशित किया जा सकता है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : देखिये। ...(**व्यवधान**)...मेरी सुनिये पाणि जी। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, आप बैठ जाइये। पाणि जी, आप बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)... मैंने इसीलिए कहा था आपको कि आप दोनों मिल लें, मैं भी माननीय मंत्री जी से कुछ कहता, लेकिन आपने कहा कि हम तो डिबेट ही करना चाहते हैं, तो मैंने अलाऊ कर दिया।

श्री दिग्विजय सिंह : सर, डिबेट नहीं करना चाहते हैं, आग्रह करना चाहते हैं। सभापति जी, हम तो आग्रह करना चाह रहे थे। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : जब आर्थिक नाकेबंदी हो जायेगी, तो डिबेट तो अपने आप ही हो जायेगी। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : मोशन ऑफ थैंक्स। ...(व्यवधान)... श्री संतोष बागड़ोदिया। ...(व्यवधान)...

श्री रूद्रनारायण पाणि : माननीय मंत्री जी को यह ...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान): सर, बोलने ही नहीं दे रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : माननीय सदस्य आज जीरो आवर नहीं होगा। ...(व्यवधान)...

SHRI S. S. AHLUWALIA: You should give an assurance to us. I am speaking on behalf of the State. I am a representative of the State...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... We will now resume the discussion on Motion of Thanks on President's Address. Shri Santosh Bagrodia..*(Interruptions)*.

[MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.]

MOTION OF THANKS ON PRESIDENT'S ADDRESS

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Sir, please ask him to keep quiet. Thank you Mr. Deputy Chairman, Sir. I rise to thank the hon. President of India for his enlightened Address. Every word of his Address is containing something which cannot be disputed. Nobody can have queries over the 'Vision', as elaborated in his Address. He makes a prominent comment in his opening para itself, and I just quote. "As a nation, we have collectively decided to sink the differences of the past; that we have restored to our polity a sense of healing; that we have restored to our society a sense of inclusiveness..." The hon. leader of the Congress Party, the Chairman of U.P.A., Shrimati Sonia Gandhi, has mentioned something in her address in Hyderabad, and I quote from her address. "Every individual citizen in the country will have a life of security, prosperity, and dignity of each and every Indian citizen will be ensured". This is the main perspective.